NEWS COVERAGE REPORT OF CULTURE DEPARTMENT FOR 16 & 17 FEBRUARY 2025

16 FEBRUARY

DAILY NEWS

बलरामपुर पहुंचा भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का कारवां

Publication	अमर उजाला (बलरामपुर एडिशन)	Publishing Date :	16 FEB 2025	Page-04

भारत-नेपाल की संस्कृति की दिखी झलक

एसएसबी नौवीं वाहिनी मुख्यालय परिसर में हुआ भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

बलरामपुर। एसएसबी नौवीं वाहिनी मुख्यालय के परिसर में शनिवार को भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में भारत व नेपाल की सभ्यता एवं संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत कर दोनों देशों के रिश्तों को प्रगाढ़ बनाने का संदेश दिया गया।

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का शुभारंभ मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवि शंकर सिंह, सदर विधायक पल्टूराम, तुलसीपुर विधायक कैलाशनाथ शुक्ल, एसपी विकास कुमार व संस्कृति विभाग के सहायक निदेशक राजेश अहिरवार ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर भारत-नेपाल सांस्कृतिक मैत्री यात्रा को रवाना किया। महोत्सव में कलाकारों ने परिधान शो के जरिए भारत-नेपाल के पहनावे व संस्कृति को प्रस्तुत किया। रघुनंदन नृत्य के जरिए मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों का बखान किया, वहीं समुद्रमंथनम नृत्य नाटिका के जरिए देवता व दानव द्वारा किए गए समुद्रमंथन को प्रस्तुत किया।

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव में कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार। स्रोत : संस्कृति विभाग

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव में श्रीराम-सीता की निकाली गई झांकी। स्रोत : संस्कृति विभाग

चित्र प्रदर्शनी में भारत और नेपाल के प्रमुख परिधान, ऐतिहासिक इमारत, पुरातन सामग्री व खान-पान से संबंधित चित्र दर्शाए गए। फ्यूजन बैंड शो एवं थारू जनजाति के लोक नृत्य देखकर सभी लोग मंत्रमुग्ध हो गए। शिवोहम ग्रुप का शिव तांडव लोगों के आकर्षण का केंद्र रह। मुंबई से आई कलाकार दीपशिखा रैना का देशभक्ति व लोकगीत सुनकर लोग झूमने लगे। कलाकार सोनाली चक्रवर्ती की हृदय में राम की प्रस्तुति ने लोगों को भक्तिमय कर दिया। कार्यक्रम के अंत में एसएसबी नौवीं वाहिनी के कमांडेंट मनोरंजन कुमार पांडेय ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर सीडीओ हिमांशु गुप्त, एसएसबी 50 वाहिनी के कमांडेंट संजय कुमार, कुमुद रंजन व एसडीएम संजीव कुमार, संस्कार भारती के देव कुमार मिश्र, राकेश प्रताप सिंह, भानु प्रकाश तिवारी आदि मौजूद रहे।

सम्मानित हुए विजेता

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव के उपलक्ष्य में एमएलके महाविद्यालय में बीते दिन लोकगीत गायन, समूह गायन, एकल नृत्य व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया था। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को महोत्सव में अतिथियों ने प्रमाणपत्र व मेडल देकर सम्मानित किया।

Publication	दैनिक जागरण (बलरामपुर एडिशन)	Publishing Date :	16 FEB 2025	Page-04

भारत-नेपाल मैत्री संबंधों की दिखी झलक

सशस्त्र सीमा बल नौवीं वाहिनी मुख्यालय परिसर में आयोजित भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव में श्रीराम दरबार नाटिका प्रस्तुत करते कलाकार • जागरण

जासं• बलरामपुर : सांस्कृतिक पर्यटन विभाग की ओर से शनिवार को भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का आयोजन सशस्त्र सीमा बल नौवीं वाहिनी मुख्यालय परिसर में किया गया। इसमें विभिन्न लोकगीतों व लोकनृत्य के माध्यम से भारत-नेपाल के मैत्री संबंधों की झलक दर्शायी गई। एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के सहायक निदेशक राजेश अहिरवार, मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह, सदर विधायक पल्टूराम, तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ल, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता, एसएसबी 50वीं वाहिनी के कमांडेंट संजय कुमार, नौवीं वाहिनी उप कमांडेंट कुमुद रंजन ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। कुलपति ने कहा कि भारत-नेपाल का रिश्ता बहुत ही प्रगाढ़ रहा है। ऐसे आयोजनों से एक-दूसरे की संस्कृति को जानने का अवसर प्राप्त होगा। नेपाल के डडेलधुरा जनपद से आए अनिल चौधरी ने नेपाली नृत्य तमांग सेलो प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरी। नेपाल की करुणा मगर ने नेपाली नृत्य मारुनी प्रस्तुत किया। बलरामपुर की लोकगायक सुनीता जायसवाल ने अवधी गीत गाकर लोगों की वाहवाही लूटी। प्रयागराज से आईं सोनाली चक्रवती ने डांस आफ यूपी, वाराणसी की वर्तिका ने अपनी टीम के साथ शिव तांडव, लखनऊ के परमानंद प्रजापति ने कठपुतली शो, मथुरा की जया सक्सेना ने फूलों की होली, मुंबई की दीपशिखा रैना ने बैंड प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त कलाकारों ने श्रीराम दरबार की नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय कर दिया। संस्कार भारती जिलाध्यक्ष देवकुमार मिश्र, महामंत्री राकेश प्रताप सिंह, भानु प्रकाश तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे।

Publication	दैनिक भास्कर	**Publishing Date :**	**16 FEB 2025**	**Online**

https://www.bhaskar.com/local/uttar-pradesh/balrampur/news/culture-of-both-countries-was-seen-in-india-nepal-friendship-festival-134483837.html

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव में दिखी दोनों देशों की संस्कृति: बलरामपुर में रामायण मंचन से लेकर थारू जनजाति के लोक नृत्य तक की भव्य प्रस्तुति

पवन तिवारी | बलरामपुर 1 दिन पहले

बलरामपुर में रामायण मंचन से लेकर थारू जनजाति के लोक नृत्य तक भव्य प्रस्तुति की।

Publication	अमर उजाला	Publishing Date :	16 FEB 2025	Online

https://www.amarujala.com/uttar-pradesh/balrampur/a-glimpse-of-the-civilization-and-culture-of-india-nepal-was-seen-balrampur-news-c-99-1-brp1003-120998-2025-02-15

Balrampur News: भारत-नेपाल की सभ्यता एवं संस्कृति की दिखी झलक

लखनऊ ब्यूरो
Updated Sat, 15 Feb 2025 08:16 PM IST

बलरामपुर के एसएसबी नौवीं वाहिनी मुख्यालय में भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम

Publication	Live Hindustan	Publishing Date :	16 FEB 2025	Online

https://www.livehindustan.com/uttar-pradesh/balrampur/story-india-nepal-friendship-festival-celebrated-in-balrampur-with-cultural-competitions-201739717083598.html

लोकगीत एवं भारतीय संस्कृति पर मार्डन स्कूल टीम रही अव्वल

Balrampur News - बलरामपुर, संवाददाता। एमएलके पीजी कॉलेज सभागार में उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के तत्वधान

Newswrap ▪ हिन्दुस्तान, बलरामपुर

Sun, 16 Feb 2025 08:14 PM

Share

Follow Us on

Publication	**Dynamite News**	**Publishing Date :**	**16 FEB 2025**	**Online**

https://hindi.dynamitenews.com/story/balrampur-festival-organized-to-strengthen-the-relationship-between-bread-and-daughter

Balrampur में रोटी-बेटी के रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने की अनोखी पहल

DN Bureau

रविवार, 16 फ़रवरी 2025, दोपहर 1:29 बजे

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का आयोजन कर जहां एक ओर दोनों देशों की सभ्यता और संस्कृति से लोगो को रूबरू कराया गया वहीं दोनों देशों के बीच रोटी बेटी के रिश्ते को भी प्रगाढ़ किया गया। पढ़िए डाइनामाइट न्यूज़ की रिपोर्ट

Publication	AIR News Lucknow	Publishing Date :	16 FEB 2025	Twitter (X)

https://x.com/airnews_lucknow/status/1890819989252263939

AIR News Lucknow
@airnews_lucknow

🔹 बलरामपुर में सशस्त्र सीमा बल नवी वाहिनी कैंपस में भारत नेपाल मैत्री महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया
🔹 दोनों देशों के कलाकारों द्वारा संस्कृति एवं विरासत की सांस्कृतिक प्रस्तुति की गई जिससे भारत नेपाल के मजबूत संबंधों एवं सांस्कृतिक समानता के बारे में जानकारी दी गई
#UPNews

Translate post

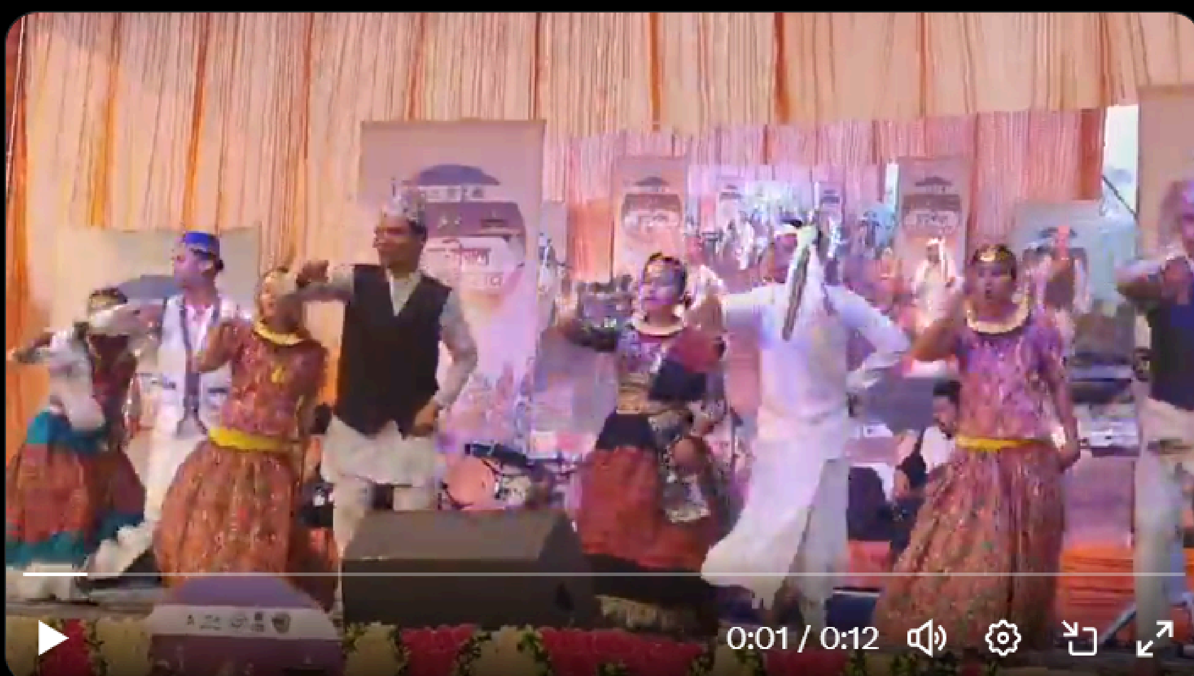

11:16 PM · Feb 15, 2025 · **74** Views

17 FEBRUARY

बोडो भाषा में खेराई पूजा पर आधारित नाटक 'मोंगली' का किया मंचन

Publication	अमर उजाला (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	17 FEB 2025	Page-08

27 दिन में सीखी बोडो, मंच पर उतारी मोंगली की कहानी

एक माह बाद लौटा बीएनए के 19 छात्र-छात्राओं का दल, साझा किए अनुभव

अभिषेक सहज

लखनऊ। भारत की 22 अनुसूचित भाषाओं में से एक बोडो को महज 27 दिन में सीखकर उसे नाटक के रूप में मंच पर सफलतापूर्वक उतारने का हुनर भारतेंदु नाट्य अकादमी (बीएनए) के 19 छात्र-छात्राओं ने करके दिखाया है। बीएनए के बीए प्रथम वर्ष के इन विद्यार्थियों ने असम के अलावा दिल्ली और फिर लखनऊ में भी नाटक मोंगली का सफल मंचन किया।

इस 19 सदस्यीय दल में शामिल आशीष मिश्रा ने बताया कि यह हमारे लिए अलग तरह का अनुभव था। हम लोग 31 दिसंबर को लखनऊ से निकले थे और 2 फरवरी को उदलगुढ़ी के डैपॉन द मिरर, तंगला पहुंचे थे। वहां करीब 27 दिनों तक बोडो भाषा सीखने के साथ ही मोंगली के मंचन की रिहर्सल की। इसके बाद वहीं पर 29 जनवरी को इस नाटक का मंचन किया, जिसे खूब सराहा गया।

इस नाटक के निर्देशक एनएसडी के पूर्व छात्र पवित्र राभा हैं। आशीष ने बताया कि एक फरवरी को मोंगली का मंचन दिल्ली में भारत रंग महोत्सव में भी किया गया। नाटक में मोंगली की मुख्य भूमिका बीएनए की छात्रा मानसी रावत ने निभाई है, जबकि उसके पति गंबर का किरदार खुद आशीष ने निभाया है।

असम से लौटा भारतेंदु नाट्य अकादमी के बीए प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं का दल। और मोंगली नाटक के मंचन के दौरान बीएनए के विद्यार्थी (फाइल फोटो)। स्रोत-स्वयं

खेराई पूजा की कहानी पर आधारित है मोंगली : पवित्र राभा

मोंगली के निर्देशक पवित्र राभा ने बताया कि यह नाटक असम में होने वाली खेराई पूजा की कहानी पर आधारित है, जिसमें वहां के लोकगीतों को भी खूबसूरती के साथ शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि बीएनए के विद्यार्थियों ने इतने कम समय में बोडो भाषा सीखकर जिस तरह से नाटक के मंचन में जान फूंक दी, वैसा तो मंझे हुए रंगमंच के कलाकारों के भी बस की बात नहीं थी। उन्होंने बताया कि इस नाटक की नींव 2008 में पड़ी थी।

रंगमंच की परंपरा समृद्ध करेगा यह प्रयास

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि इस टूर से बीएनए के छात्रों ने असम की सांस्कृतिक धरोहर और रंगमंच की कला को आत्मसात कर देशभर में सांस्कृतिक समागम को नया आयाम दिया है। अकादमी का प्रयास रंगमंच की परंपरा समृद्ध करेगा। वहीं, बीएनए के निदेशक बिपिन कुमार ने बताया कि अकादमी नए पाठ्यक्रमों के साथ नई तकनीकी का इस्तेमाल भी कर रहा है।